।। श्री गणेशाय नमः।।
हिन्दी पाक्षिक Fortnightly
Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की
Baat Hindustan ki

RNI No.: WBHIN/2021/84049

विक्रम संवत 2083, कार्तिक, शुक्ल पक्ष सप्तमी, 16-30 नवंबर 2026 (16-30 November 2026), वर्ष-6 (YEAR-6), अंक - 14, पृष्ठ - 4, मूल्य - ₹2, (PRICE- 2/-)



छठ महापर्व पर सक्रिय दिखे शुभेंदु और उनके मंत्री

•छठ घाटों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का लिया जायजा।
•घाट पर महिलाओं और व्रतियों के कपड़े बदलने के लिए अस्थायी चेंजिंग रूम बनाए।

अजय कुमार झा: गंगा किनारे सूर्य को अर्घ्य देने के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, छठी मइया के गीतों से गूंजते घाट और सिर पर पूजा की सामग्री लेकर परिवार के साथ घाट की ओर बढ़ते व्रती। हावड़ा एवं कोलकाता के गंगा घाटों पर कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर पूरा शहर भक्तिमय नजर आया। रामकृष्णपुर से लेकर शिवपुर, बाबूघाट से अहीरीटोला घाट, मानिकगंज और घुसुड़ी तक विभिन्न घाटों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस बार छठ पूजा को लेकर धार्मिक उत्साह के साथ प्रशासनिक सक्रियता भी विशेष रूप से देखने को मिली। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से लेकर राज्य सरकार के मंत्री, विधायक और प्रशासनिक अधिकारी तक व्यवस्थाओं की निगरानी में जुटे रहे। छठ पूजा की तैयारियों कई दिनों पहले से ही शुरू हो गई थीं। घाटों की सफाई, अतिक्रमण हिंसों की मरम्मत और श्रद्धालुओं के आवागमन के रास्तों को दुरुस्त करने का काम किया गया। इस



बार घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों पर रेड कारपेट बिछाया गया था। महिलाओं और व्रतियों की सुविधा के लिए अस्थायी चेंजिंग रूम भी बनाए गए। प्रशासन की कोशिश थी कि पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को बुनियादी सुविधाओं के अभाव में किसी तरह की परेशानी न हो।

छठ पूजा के अवसर पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी का हावड़ा दौरा खास चर्चा में रहा। मुख्यमंत्री लॉन्च से हुगली नदी के रास्ते हावड़ा के घाटों का जायजा लेने पहुंचे। शाम करीब पांच बजे वह रामकृष्णपुर घाट पहुंचे, जहां उन्होंने छठ व्रतियों के साथ पूजा में हिस्सा लिया और श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उन्हें महापर्व की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री की मौजूदगी को लेकर घाट पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। पुलिस, टैपिड एक्शन फोर्स और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी निगरानी कर रहे थे। नदी की ओर से रिवर पैट्रिक पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें भी सक्रिय थीं। मुख्यमंत्री ने घाट पर मौजूद लोगों से बातचीत की और आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। हावड़ा के सबसे प्रमुख छठ पूजा स्थलों में रामकृष्णपुर, नमकगोला घाट और शिवपुर घाट शामिल हैं। इन दोनों घाटों पर हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस बार भी यहां पूजा की तैयारियों को लेकर विशेष ध्यान दिया गया।

महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, बायो-टॉयलेट, पेयजल और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की गई। घाटों के अतिरिक्त हिस्सों की मरम्मत के साथ नदी में उतरने वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई। ज्वार-भाटा के दौरान जलस्तर में बदलाव को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

एनडीआरएफ की टीम, स्पीडबोट, लाइफ जैकेट और लाइफबोट की व्यवस्था रही गई थी। प्रावनिक चिकित्सा के लिए स्वास्थ्यकर्मियों और आशा कार्यकर्ताओं को भी जिम्मेदारी दी गई थी। इसका उद्देश्य था कि किसी दुर्घटना या स्वास्थ्य संबंधी परेशानी की स्थिति में तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

शेष पेज 3 पर..

23 नवंबर को वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट 16 जनवरी को आएगी अंतिम सूची

सौनी कुमारी झा: बंगाल में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) की प्रक्रिया के तहत प्रारूप मतदाता सूची 23 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी। वहीं, अंतिम मतदाता सूची 16 जनवरी 2027 को जारी होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय की ओर से शुक्रवार को जारी कार्यक्रम के अनुसार, मतदाता 23 नवंबर से 22 दिसंबर तक सूची में नाम शामिल कराने, विवरण में सुधार कराने और किसी तरह की गड़बड़ी पर दावा-आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। इन आवेदनों का निपटारा आठ जनवरी तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस पुनरीक्षण के लिए एक जनवरी 2027 को अर्हता तिथि निर्धारित की गई है। इसके तहत इस तारीख तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा भी मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के पात्र होंगे।

मतदाताओं की सुविधा के लिए 28 और 29 नवंबर, 5, 6, 12, 13, 19 और 20 दिसंबर को राज्य के निर्धारित मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इन दिनों बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) मौजूद रहेंगे और नए मतदाताओं का पंजीकरण, व्यक्तिगत विवरण में सुधार तथा दावा-आपत्ति संबंधी आवेदन जमा कराने में सहायता करेंगे। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) से भी इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करने को कहा गया है। निर्वाचन आयोग ने इस बार मतदाता सूची में पती की एकरूपता और पारिवारिक संरचयों के मतदान केंद्रों को लेकर भी विशेष निर्देश दिए हैं। मतदाताओं के पते में मकान संख्या, वार्ड, सड़क, मोहल्ला, गांव या वहर, जिला और पिन कोड जैसी जानकारियां दर्ज करनी होंगी। एक ही पते पर रहने वाले परिवार के सदस्यों को अलग-अलग मतदान केंद्रों में नहीं बांटने का निर्देश निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों को दिया गया है। इलाके अलावा एक ही इमारत, सड़क और इलाके के मतदाताओं को यथासंभव सूची के एक ही खंड में रखने की कोशिश होगी।

पुनरीक्षण के दौरान धुंधली अथवा गलत तस्वीरों को बदलने, दोहरी प्रविष्टियों को हटाने तथा मृत और स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं के नाम निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार हटाने पर भी जोर रहेगा। सीईओ कार्यालय ने तीन नवंबर को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर पुनरीक्षण कार्यक्रम और आयोग के नए निर्देशों की जानकारी दी थी। गौरतलब है कि बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के दौरान करीब 7.66 करोड़ मतदाताओं में से लगभग 91 लाख नाम हटाए गए थे। इनमें तार्किक विसंगतियों के आधार पर जांच के बाद करीब 27.16 लाख नाम हटाए गए थे। इन नामों को हटाने के फैसले को लेकर राजनीतिक विवाद भी हुआ। निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि प्रभावित मतदाताओं में से 22.21 लाख ने अपीलीय न्यायाधिकरणों में गुहार लगाई थी और लिपिकाए गए मामलों में 9.3 प्रतिशत में नाम बहाल किए गए। एसएसआर की प्रक्रिया ऐसे समय हो रही है, जब एसआइआर के दौरान नाम हटाए जाने को लेकर राजनीतिक दलों और विभिन्न संगठनों की ओर से विरोध जारी है। विपक्षी दलों ने एसएसआर की प्रक्रिया और आगामी निकाय चुनावों के बीच समय-सीमा को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

कुंभ की तर्ज पर सजेगा गंगासागर मेला, 16 नए जेटी बनाने की योजना

सौनू कुमार झा: बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद गंगासागर मेले को अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्वरूप देने की तैयारी में जुटी राज्य सरकार ने जनवरी, 2027 में होने वाले आगामी आयोजन के लिए बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया है। इस बार कुंभ मेले की तर्ज पर गंगासागर मेले को विकसित करने और सजाने की तैयारी है। इसी सिलसिले में शनिवार को राज्य मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल ने वरिष्ठ अधिकारियों की टीम के साथ सागरद्वीप पहुंचकर मेले की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मेले के विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों का निरीक्षण करने के साथ जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के 10 दिसंबर को प्रस्तावित गंगासागर दौरे से पहले सभी विभागों को तैयारियां आगे बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

मकर संक्रांति के दौरान गंगासागर में देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस दौरान कचुबेड़िया और लाट नंबर आठ के फेरी घाटों पर यात्रियों का भारी दबाव रहता है। इसे देखते हुए प्रशासन ने दोनों



घाटों पर सात से आठ नए जेटी बनाने की योजना तैयार की है। इस तरह कुल 14 से 16 नए जेटी बनाए जाने का प्रस्ताव है। इससे यात्रियों के उतरने और चढ़ने की क्षमता बढ़ेगी तथा लंबी प्रतीक्षा से राहत मिलने की उम्मीद है।

मुख्य सचिव ने कपिलमुनि आश्रम के आसपास के क्षेत्रों सहित मेला परिसर का निरीक्षण किया। बैठक में पेयजल, निर्बाध बिजली, स्वास्थ्य सेवा, शौचालय, अग्निशमन और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। श्रद्धालुओं के ठहरने और भोजन की सुविधा के लिए तीर्थनिवास बनाने की भी योजना है। कपिलमुनि आश्रम परिसर से लेकर सागर तट तक आकर्षक रोशनी की व्यवस्था की जाएगी। दूसरे राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए भी विशेष इंतजाम किए जाएंगे।

राज्य सरकार का लक्ष्य गंगासागर मेले में आवागमन, सुरक्षा, ठहरने और अन्य सुविधाओं को बेहतर बनाकर इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर का तीर्थ आयोजन बनाना है। मुख्यमंत्री के 10 दिसंबर के प्रस्तावित दौरे से पहले जेटी निर्माण, तकनीकी निगरानी और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े प्रस्तावों पर काम आगे बढ़ाने की तैयारी है।

कोलकाता के बाद हावड़ा नगर निगम के वार्डों में भी नियुक्त होंगे को-ऑर्डिनेटर : शुभेंदु

संजय कुमार सिंह: कोलकाता नगर निगम के बाद अब हावड़ा नगर निगम के सभी वार्डों में भी को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किए जाएंगे। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को हावड़ा के काशीपाड़ा में छठ पूजा को लेकर आयोजित एक कार्यक्रम में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि यदि समय पर नगर निगम चुनाव नहीं कराए जा सके तो एक दिसंबर से हावड़ा के वार्डों में को-ऑर्डिनेटर नियुक्त कर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार के साथ रहने वाले लोगों को ही यह जिम्मेदारी दी जाएगी और सरकार का विरोध करने वालों को को-ऑर्डिनेटर नहीं बनाया जाएगा।



मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों से हावड़ा नगर निगम का चुनाव नहीं होने के कारण शहर के निवासियों को नागरिक सेवाओं से वंचित रहना पड़ रहा है। उन्होंने इसके लिए विशेषकर तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि विपक्षी दल चुनाव की प्रक्रिया में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इस मामले को लेकर वह सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों (प्रशासक) के जरिए वर्षों तक नगर निगम का संचालन नहीं किया जा सकता, क्योंकि उनकी अपनी सीमाएं हैं। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार ने परिसीमन कराकर हावड़ा और कोलकाता नगर निगम के चुनाव कराने की पहल की थी। हालांकि, उसके मुताबिक विपक्षी दलों ने चुनाव प्रक्रिया को रोकने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिनकी चुनाव में जमानत जब्त हो जाती है, वही चुनाव कराने में बाधा डाल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि समय पर चुनाव नहीं हुए तो वैकल्पिक व्यवस्था के तहत को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किए जाएंगे।

गौरतलब है कि हालसे पहले मुख्यमंत्री कोलकाता नगर निगम के पुनर्गठन के बाद बने सभी 209 वार्डों में भी को-ऑर्डिनेटर नियुक्त करने की बात कह चुके हैं। इस प्रस्ताव पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने भी सहमति जताई थी। उन्होंने कहा था कि यदि चुनाव जैसी स्थिति नहीं है तो वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार करना होगा।

भाजपा पर बरसे अरूप राय राज्य सरकार को भी घेरा

संजय कुमार सिंह: राज्य में जनता की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। भय और आतंक का माहौल बनाया जा रहा है। राज्य की मौजूदा राजनीतिक स्थिति को लेकर लोकतांत्रिक तृणमूल कांग्रेस के चेयरमैन अरूप राय ने गुरुवार को अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीनों में राज्य में क्या-क्या हुआ है, यह जनता देख रही है। उच्चतम विश्वास को बिना किसी कारण गिरफ्तार किया गया था। प्रत्येक विधायक के घर सरकारी कंबल भेजे जाते हैं। इसी मुद्दे को लेकर उनके घर के सामने विरोध प्रदर्शन किया गया और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। बाद में उनकी नोत हो गई। इससे पहले आशीष बंद्योपाध्याय ने आत्महत्या की थी। अरूप राय ने आरोप लगाया कि पूरे राज्य में भय और आतंक का माहौल बनाया जा रहा है तथा विपक्षी दलों को राजनीतिक गतिविधियां करने से रोका जा रहा है।

शिवपुर के काजीपाड़ा में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी द्वारा हावड़ा नगर निगम के प्रत्येक वार्ड में को-ऑर्डिनेटर नियुक्त करने और चुनाव को लेकर हाईकोर्ट के संवगनादेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (Special Leave Petition) दाखिल करने की बात कहे जाने पर अरूप राय ने प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि सरकार क्या करेगी, यह उसका अपना मामला है। वह को-ऑर्डिनेटर नियुक्त कर सकती है। नगर निगम चुनाव के लिए वार्डों के परिसीमन को लेकर हाईकोर्ट में मामला चल रहा है। हालांकि, उन्होंने सवाल उठाया कि हावड़ा नगर निगम में बोर्ड ऑफ एडमिनिस्ट्रेटर्स नियुक्त करने से आखिर क्या फायदा हुआ?

अरूप राय ने आरोप लगाया कि शहर की सड़कों की हालत जर्जर है, जगह-जगह कचरा जमा है और नालों की नियमित सफाई नहीं हो रही है। स्थिति काफी खराब है और लोगों को नगर निगम की ओर से जरूरी नागरिक सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं।

उन्होंने मौजूदा हालात पर टिप्पणी करते हुए कहा कि फिलहाल चुनाव दूर-दूर तक होता नजर नहीं आ रहा है। अब आगे क्या होता है, यह देखना होगा।

नवान्न बस स्टैंड पर बंद पड़ी इलेक्ट्रिक बस सेवा लाखों की लागत से बना चार्जिंग पॉइंट बेकार

अजय कुमार झा: प्रदूषण मुक्त शहर बनाने के उद्देश्य से हावड़ा में नवान्न बस स्टैंड के पास लाखों रुपये खर्च कर बनाया गया इलेक्ट्रिक बस चार्जिंग पॉइंट आज बेकार पड़ा है। शुरुआती दौर में यहां से वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों की सेवा शुरू हुई थी, लेकिन कुछ महीनों बाद ही इसे बंद कर दिया गया। सेवा बंद होने की वजह भी स्पष्ट नहीं की गई।

स्थानीय निवासी रामाशीष बनर्जी ने बताया कि वह रोजाना काम के सिलसिले में इसी बस स्टैंड से कोलकाता जाते हैं। कुछ वर्ष पहले यहां से इलेक्ट्रिक बसें चलती थीं, जो वातानुकूलित होने के साथ प्रदूषण मुक्त सफर का विकल्प भी थीं। यात्रियों को इन बसों से काफी सुविधा मिलती थी, लेकिन अचानक सेवा बंद कर दी गई। उन्होंने कहा कि चार्जिंग पॉइंट का उचित रखरखाव नहीं होने से उसकी स्थिति भी चिंताजनक हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लाखों रुपये खर्च कर तैयार की गई इस सुविधा का इस्तेमाल नहीं होना सरकारी धन की बर्बादी जैसा है। लोगों ने पर्यावरण संरक्षण और यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नवान्न बस स्टैंड से इलेक्ट्रिक बस सेवा दोबारा शुरू करने की मांग की है।

कौन से जज भाजपा के और कौन तृणमूल के? हाई कोर्ट ने अभिषेक से मांगी सूची

बात हिंदुस्तान की ब्यूरो: न्यायपालिका पर राजनीतिक पक्षधरता के आरोपों को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी से न्यायाधीशों की सूची मांगी। न्यायमूर्ति कृष्णा राव ने अभिषेक के वकील से पूछा कि कौन-कौन से न्यायाधीश भाजपा के हैं और कौन तृणमूल कांग्रेस के। उन्होंने टिप्पणी की कि यदि अभिषेक के पास ऐसी जानकारी है तो वे सूची दें, अदालत उसे देखेगी। यह टिप्पणी अभिषेक की सुरक्षा घटाए जाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान आई। इसी सुनवाई में राज्य सरकार ने अभिषेक के एक साक्षात्कार में न्यायपालिका पर की गई टिप्पणियों को अदालत की अवमानना बताते हुए उनके खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्रवाई शुरू करने की मांग की।

सुनवाई के दौरान राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता बिल्वदल भट्टाचार्य ने अभिषेक के एक साक्षात्कार का प्रतिलेख और वीडियो अदालत में पेश किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अभिषेक ने न्यायाधीशों पर कटाक्ष किया और एक न्यायाधीश का नाम लेकर न्यायपालिका की छवि पर सवाल उठाए। राज्य की ओर से कहा गया कि राजनीतिक लड़ाई अपनी जगह है, लेकिन उसमें न्यायपालिका को घसीटना उचित नहीं है। इसके आधार पर अभिषेक के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर आपराधिक अवमानना की कार्रवाई शुरू करने का आग्रह किया गया।

अभिषेक के वकील ने इसका विरोध करते हुए कहा कि साक्षात्कार की टिप्पणियों का मौजूदा सुरक्षा याचिका से कोई संबंध नहीं है। उनके मुवक्किल ने अपने और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी तथा संबंधित अधिकारियों से बार-बार गुहार लगाई थी। इसी संदर्भ में उनकी प्रतिक्रिया सामने आई। हम पर अदालत ने कहा कि अभिषेक कोई सामान्य व्यक्ति नहीं, बल्कि शिक्षित और निर्वाचित सांसद हैं। न्यायिक आदेश से असंतुष्ट होने पर उनके पास दूसरी पीठ और सुप्रीम कोर्ट जाने जैसे कानूनी विकल्प भी उपलब्ध हैं।

अभिषेक ने राज्य सरकार के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसके तहत विधानसभा चुनाव के बाद उनकी सुरक्षा जेड प्लस से घटाकर एक्स श्रेणी कर दी गई थी। उनकी ओर से दलील दी गई कि सुरक्षा घटाए जाने के बाद उन पर और उनके परिवार पर हमले की कई घटनाएं हुईं, लेकिन शिकायतों के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था की नए सिरे से समीक्षा नहीं की गई। उनके वकील ने पुरानी सुरक्षा बहाल करने की मांग की। राज्य की ओर से कहा गया कि सुरक्षा किसी व्यक्ति का अधिकार नहीं है और उपलब्ध खतरे के आकलन के आधार पर ही सुरक्षा श्रेणी तय की जाती है।

अतिरिक्त महाधिवक्ता ने बताया कि 29 मई को समीक्षा की गई थी और अगली नियमित समीक्षा नवंबर के अंत में होनी है। इस पर न्यायमूर्ति राव ने सवाल उठाया कि अभिषेक की ओर से हमलों की शिकायतें मिलने के बाद उनकी सुरक्षा का नए सिरे से आकलन क्यों नहीं किया गया। अदालत ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा याचिका पर विचार करते समय साक्षात्कार में की गई टिप्पणियों को उसके फैसले में बाधक नहीं बनने दिया जाएगा। सुनवाई के बाद अदालत ने सुरक्षा संबंधी याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

सरकारी अस्पतालों में बंपर भर्ती 62 हजार से ज्यादा पदों पर नियुक्ति

सौनू कुमार झा: बंगाल के सरकारी अस्पतालों में डाक्टरों, नर्सों व स्वास्थ्यकर्मियों के हजारों रिक्त पदों को भरने के लिए बड़े पैमाने पर भर्ती की तैयारी की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री साधन पांडेय ने बताया कि 2,000 से अधिक डाक्टरों, 10 हजार से अधिक नर्सिंगकर्मियों और 40-50 हजार स्वास्थ्यकर्मियों की भर्ती की जाएगी। याामीण अस्पतालों में स्वास्थ्य कर्मचारियों की भारी कमी को देखते हुए स्थायी नियुक्तियों के साथ अस्थायी आधार पर भी डाक्टरों और नर्सिंगकर्मियों को रखा जाएगा। अगले दो दिनों के भीतर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि स्वास्थ्य भर्ती बोर्ड का नए सिरे से गठन किया गया है। पिछली सरकार के समय बोर्ड में राजनीतिक व्यक्तियों की भी भूमिका रहती थी। नई सरकार ने बोर्ड की संरचना में बदलाव किया है। अब जिस व्यक्ति को बोर्ड के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलेगी, वह उसी पद के अधिकार के तहत नियुक्ति प्रक्रिया संचालित करेगा। नई व्यवस्था में भर्ती प्रक्रिया को भ्रष्टाचार-मुक्त रखा जाएगा। भर्ती प्रक्रिया को लेकर स्वास्थ्य भवन में बैठक होगी। इसमें नियुक्तियों की रूपरेखा और प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक, लोक सेवा आयोग के माध्यम से डाक्टरों की स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी होने में करीब डेढ़ साल लग सकता है। वहीं, स्वास्थ्य भर्ती बोर्ड के माध्यम से नर्सिंगकर्मियों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति में छह से आठ महीने का समय लगने का अनुमान है। स्थायी डाक्टरों की नियुक्ति पूरी होने तक अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों, इसके लिए संविदा आधार पर डाक्टरों और नर्सिंगकर्मियों की अस्थायी नियुक्ति की जाएगी।



चांदनी चौक में पेड़ पर चढ़कर दुकान में की थी चोरी, पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के चांदनी चौक स्थित लहंगा बाजार में हुई सनसनीखेज चोरी की वारदात को कोतवाली पुलिस ने महज चार दिनों में सुलझा लिया है। पुलिस ने मामले में नेपाल के चार नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता अनिल कुमार ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि चांदनी चौक रोड स्थित कटरा इज्जर के लहंगा बाजार में उनकी पहली मंजिल पर स्थित दुकान का शटर और ताले तोड़कर करीब 1.27 लाख रुपये चोरी कर लिए गए हैं। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच में पता चला कि आरोपियों ने चोरी को अंजाम देने के लिए अनोखा तरीका अपनाया था। वे पेड़ पर चढ़कर पहली मंजिल पर स्थित दुकान तक पहुंचे और शटर व ताले तोड़कर नकदी चोरी कर ली। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया एक लहंगा, 8 हजार रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल की गई लोहे की छड़ सहित अन्य औजार बरामद किए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएचओ इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह के नेतृत्व और एसीपी अमनदीप कौर ठी निगरानी में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच में सामने आया कि वारदात में पांच लोग शामिल थे। इसके बाद पुलिस ने ह्यूमन इंटेलिजेंस और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से संदिग्धों की पहचान की और उनकी तलाश शुरू की। लगातार जांच और छापेमारी के बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इनमें तीन को दिल्ली के छत्तरपुर और एक को हरियाणा के गुरुग्राम से पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नेपाल के नागरिक हैं और कई वर्षों से दिल्ली-एनसीआर में किराये के मकानों में रह रहे थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपी नशीले पदार्थों और शराब पीने के आदी हैं तथा अपनी लत पूरी करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शेर बहादुर (51), नरेंद्र (35), ज्ञानेंद्र उर्फ भिनु बहादुर (35) और भीम बहादुर (32) के रूप में हुई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि ज्ञानेंद्र उर्फ भिनु बहादुर वर्ष 2011 से दिल्ली के विभिन्न थानों में दर्ज चोरी के चार मामलों में पहले भी शामिल रहा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक लहंगा, 8 हजार रुपये नकद और चोरी में इस्तेमाल किए गए औजार बरामद किए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है और पुलिस वारदात में शामिल पांचवें आरोपी की भूमिका की भी जांच कर रही है।

दिल्ली के पहाड़गंज में इमारत की छत ढहने के बाद मालिक, ठेकेदार गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य दिल्ली के पहाड़गंज में एक इमारत की छत ढहने की घटना में इमारत के मालिक और एक ठेकेदार को पकड़ लिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पहाड़गंज में रविवार शाम को हुई घटना में अब तीन जख्मी हो गए थे। निर्माण कार्य के दौरान इमारत की दूसरी मंजिल पर छत की स्लैब ढह गई। पुलिस ने कहा कि इमारत के मालिक रमन और ठेकेदार अनवर को पकड़ लिया गया है और उन्हें गवाह बना गया है। पुलिस ने घटना के संबंध में पहाड़गंज पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 290 (किसी भवन की मरम्मत या निर्माण के दौरान लापरवाहीपूर्ण आचरण) और 125 (ए) (जल्दबाजी या लापरवाही से जीवन को खतरे में डालना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

व्यापार मेला : खेल-खेल में बच्चों को यातायात के नियमों का पाठ पढ़ा रही पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बच्चों को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस किताबों और भाषणों के बजाय खेल और मनोरंजक गतिविधियों के जरिये पाठ पढ़ा रही है। भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में हॉल नंबर 7ए में यातायात पुलिस की ओर से विशेष ट्रैफिक पार्क बनाया गया है। यहां बच्चे खेल-खेल में यातायात के नियम सीखने के साथ सुरक्षित वाहन चलाने के तरीके भी समझ रहे हैं। प्रतियोगिता भी कराई जा रही है, जिसमें जीतने पर पुरस्कार दिया जा रहा है। पार्क में बच्चों के लिए बैटरी से चलने वाली छोटी कारों की निशुल्क राइड की व्यवस्था की गई है। कभी इन कारों को चलाते हुए सड़क पर बने संकेतों, ट्रैफिक लाइट और यातायात नियमों को समझते हैं। उन्हें बताया जाता है कि सड़क पर वाहन चलाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और यातायात संकेतों का पालन करना क्यों जरूरी है। इसके अलावा साथ-सीढ़ी खेल के जरिए सड़क सुरक्षा का महत्व समझाया जा रहा है। यहां अन्य रोचक गतिविधियां भी रखी गई हैं, जिनमें बच्चे उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। विजेता प्रतियोगिता भी आयोजित हो रही है। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य बच्चों को कम उम्र से ही यातायात के प्रति जिम्मेदार बनाना है, ताकि वे खुद नियमों का पालन करें और अपने परिवार के सदस्यों को भी इसके लिए प्रेरित कर सकें।

ट्रेड फेयर में टिकट दिलाने के नाम पर महिला से ठगी, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रगति मैदान में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में टिकट दिलाने के नाम पर एक महिला से ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने 400 रुपये में टिकट दिलाने का झांसा देकर महिला से क्यूआर कोड स्कैन कराया और उनके खाते से 1200 रुपये निकाल लिए। ठगी के तुरंत बाद महिला का आईफोन सिंक होकर लॉक हो गया। शिकायत मिलने पर नई दिल्ली जिला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मौजपुर निवासी मोहम्मद फैसल (38) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक 15 नवंबर को महिला व्यापार मेले में घूमने पहुंची थी। दोपहर करीब 1:30 बजे वह गेट नंबर चार के पास अधिकारिक मोबाइल ऐप के जरिए ऑनलाइन टिकट खरीदने का प्रयास कर रही थी। इसी दौरान एक व्यक्ति उनके पास आया और 400 रुपये में टिकट उपलब्ध कराने की बात कही। आरोपी ने महिला को एक क्यूआर कोड दिखाया। महिला ने जैसे ही कोड स्कैन किया, उनके खाते से 1200 रुपये का भुगतान हो गया। इसके कुछ ही देर बाद महिला का आईफोन सिंक होने लगा और वह फोन का इस्तेमाल नहीं कर सकीं। उन्हें लॉगइन की असफल कोशिश का नोटिफिकेशन भी मिला। पेटीएम खाते से 1200 रुपये कटने का पता चलने पर महिला को ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने मौके पर शोर मचाकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला की पहचान पर आरोपी को पकड़ लिया। इस मामले में प्रगति मैदान स्थित थाना आईआईटीएफ में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4)/3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह कबाड़ का काम करता है और अपने एक साथी के साथ मिलकर दिल्ली में आयोजित होने वाले बड़े आयोजनों के टिकट अनधिकृत रूप से बेचता था। उसका साथी अलग-अलग कार्यक्रमों के टिकट की व्यवस्था करता था। इसके बाद दोनों उन लोगों को टिकट बेचते थे, जिन्हें आसानी से टिकट नहीं मिल पाते थे। इसके बदले नकद या ऑनलाइन भुगतान लिया जाता था। पुलिस के अनुसार कुछ मामलों में आरोपी और उसका साथी पैसे लेने के बाद टिकट उपलब्ध नहीं कराते थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि मोहम्मद फैसल पहले भी ठगी के मामले में शामिल रहा है। उसके खिलाफ नौ मई 2026 को कादम्बा बाग थाने में भी प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस अब उसके फरार साथी की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी ने इस तरीके से अब तक कितने लोगों को अपना शिकार बनाया है। मामले की जांच जारी है।

चोरी करने की कोशिश के मामले में आरोपी बरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शाहदरा जिले के कड़कड़डूमा कोर्ट ने घर में घुसकर पानी की मोटर और मोटर चोरी करने की कोशिश के मामले में आरोपी को बरी कर दिया है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता और चश्मदीद गवाह अपने पहले के बयानों से मुकर गए। दोनों ने आरोपी की पहचान भी नहीं की। इसके बाद कोर्ट ने माना कि आरोपी के खिलाफ आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। न्यायिक मजिस्ट्रेट आरुषि परवाल प्रथम श्रेणी ने फैसला सुनाते हुए शेख इसाकुल को चोरी की कोशिश और रात में घर में घुसने के आरोपों से बरी कर दिया।

दिल्ली में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुई छठ पूजा, सीएम रेखा गुप्ता ने की छठी मैया से देश की खुशहाली की प्रार्थना



नई दिल्ली, एजेंसी।

राजधानी दिल्ली में चार दिनसीय महापर्व छठ पूजा का समापन सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ उल्लासपूर्ण माहौल में हुआ। शहर के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। व्रतियों ने पूरे विधि-विधान के साथ भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और अपने परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी छठ पूजा के आखिरी दिन अनुष्ठान किए और उगते सूर्य को 'अर्घ्य' दिया। इस अवसर पर उन्होंने छठी मैया से सभी के कल्याण की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'मैंने मां छठी मैया से प्रार्थना की कि वे हम सभी पर अपना भरपूर आशीर्वाद बनाए रखें, ताकि हर किसी के परिवार में खुशहाली और समृद्धि आए, सभी अपने जीवन में आगे बढ़ें और तरक्की करें। साथ ही, हमारा देश भारत और यहां की सभी नागरिक हमेशा खुशी-खुशी आगे बढ़ें, अपना जीवन जिएं और अपने परिवारों के साथ एकजुट रहें।' उन्होंने आगे कहा, 'एक तरफ जहां हम विकास की ओर आगे बढ़ेंगे, वहीं दूसरी तरफ हमें अपनी विरासत और परंपराओं को भी संजोकर रखना चाहिए। आज, मैं पूर्वांचल के अपने सभी भाइयों-बहनों से कहना चाहती हूं कि हमने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि छठ का पर्व भव्य त्योहार पूरी श्रद्धा और धूमधाम से मनाया जाए। अगर हमसे कोई गलती या कमी रह गई हो, तो कृपया हमें क्षमा करें। अगली बार, मैं इससे भी बेहतर इंतजाम करने की कोशिश करूंगी।'

छठ पूजा के अंतिम दिन सुबह-सुबह आईटीओ छठ घाट समेत विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए एकत्र हुए। व्रतियों ने कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य दिया। इस दौरान घाट पर छठ के पारंपरिक गीतों की गूंज सुनाई देती रही। पूरे वातावरण में भक्ति और आस्था की झलक देखने को मिली। एक श्रद्धालु ने कहा कि एक मां अपने पति और बच्चों के लिए प्रार्थना करती है और उनके लिए सब कुछ मांगती है, लेकिन अपने लिए वह कुछ नहीं मांगती। वह सिर्फ यही कामना करती है कि उसके बच्चों को जीवन में हर जरूरी चीज मिले, वे खूब पढ़ाई करें, अच्छा करें और सफल इंसान बनें। उन्होंने कहा कि छठ पूजा सच में बहुत अद्भुत पर्व है, क्योंकि इसमें निःस्वार्थ प्रेम और त्याग की भावना झलकती है। वासुदेव घाट पर भी श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ अनुष्ठान किया। व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देते हुए एक साथ छठ गीत गाए। महिलाएं पारंपरिक परिधान में सजी हुई थीं और हाथों में बांस की टोकरी में फल, ठेकुआ और अन्य प्रसाद लिए हुए थीं। घाट पर सुरक्षा और सफाई के विशेष इंतजाम किए गए थे। शाहदरा जिले में गीता कॉलोनी के पास स्थित यमुना छठ घाट पर भी छठ व्रतियों ने सूर्य को अर्घ्य दिया। वहीं, तुगलकाबाद के काया माया पार्क में भी उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु इकट्ठा हुए।

सोनिया गांधी की किताब का विमोचन आज, सीएम विजय को किया फोन

- चार राज्यों के मुख्यमंत्री और कई दिग्गज होंगे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी।

सोनिया गांधी की बहुप्रतीक्षित किताब 'बिलीविंग...अ जर्नी ऑफ लव' का आधिकारिक विमोचन आज दिल्ली में होने जा रहा है। शाम छह बजे होटल मौर्या में आयोजित इस भव्य समारोह में कांग्रेस शासित राज्यों केरल, तेलंगाना और कर्नाटक के मुख्यमंत्री शिरकत करेंगे। इसके साथ ही तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय भी इस कार्यक्रम में पहुंचेंगे, जिन्हें रिपोर्ट्स के अनुसार राहुल गांधी ने व्यक्तिगत तौर पर फोन करके आमंत्रित किया था। मुख्यमंत्री बनने के बाद यह विजय की सोनिया गांधी से दूसरी मुलाकात होगी। इससे पहले वे जून में नीति आयोग की बैठक के लिए दिल्ली आए थे और 10 जनपथ पर सोनिया से मिले थे। 10 नवंबर को बाजार में आ चुकी 544 पन्नों की इस किताब को लिखने में 12 साल लगे हैं। इसमें इटली में सोनिया गांधी के बचपन से लेकर कैम्ब्रिज में राजीव गांधी से मुलाकात (1965), भारत आगमन, हिंदी सीखना, राजीव की हत्या, राजनीति में प्रवेश और 2004 में प्रधानमंत्री पद ठुकराने जैसी महत्वपूर्ण घटनाएं शामिल हैं। किताब के रिलीज के मौके पर सोनिया गांधी ने इमरजेंसी को गलती बताया था और कहा था कि उनकी सास इंदिरा गांधी भी बाद में ऐसा ही महसूस करने लगी थीं। उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों को शर्मनाक अध्याय कहा था। आज के प्रेस्टिज में भी उनसे लेखिका के तौर पर सक्रिय बात रखने की उम्मीद है। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और गठबंधन के सहयोगी भी मौजूद रहेंगे।



दिल्ली के माजरा डबास तालाब में डूबे युवक का शव बरामद, एनडीआरएफ की टीम ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी दिल्ली में माजरा डबास गांव के तालाब में डूबे युवक का शव सोमवार को सुबह एनडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिया। एनडीआरएफ की टीम ने सुबह करीब 10 बजे सर्च अभियान के दौरान शव को तलाश लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शव को काछो में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

प्रशासन को इसकी सूचना दी

ग्रामीणों के अनुसार, करीब 35 वर्षीय युवक पशुओं को नहलाने के लिए तालाब पर गया था। काफी देर तक वापस नहीं लौटने और तलाश करने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चलने पर ग्रामीणों ने प्रशासन को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद युवक की तलाश के लिए गोताखोरों को मौके पर बुलाया गया। सोमवार सुबह से ही तालाब में सर्च अभियान चलाया जा रहा था। काफी मशक्कत के बाद एनडीआरएफ की टीम ने सुबह करीब 10 बजे युवक का शव बरामद कर लिया। इसके बाद शव पुलिस को सौंप दिया गया। मृतक के मध्य प्रदेश और बिहार से संबंध होने की जानकारी सामने आई है। फिलहाल पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच कर रही है।

डीटीयू के छात्रों ने आपात स्थिति में घायलों को खोजने वाली तकनीक के लिए जीते 3 लाख डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) के छात्रों ने अमेरिका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल कर देश का नाम रोशन किया है। विश्वविद्यालय की ड्रोन और मानवरहित तकनीक पर काम करने वाली टीम ने ड्रापर्स चैलेंज के तीसरे चरण में 3 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 2.6 करोड़ रुपये) का प्रथम पुरस्कार जीता है।

डीटीयू की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि

इस प्रतियोगिता का आयोजन अमेरिका की रक्षा उन्नत अनुसंधान परियोजना एजेंसी (डार्पा) ने किया था। इसमें ऐसी तकनीक विकसित करने की चुनौती दी गई थी, जो किसी बड़े हादसे या आपदा के दौरान घायलों को खोजने, उनकी चोटों का आकलन करने और समय पर चिकित्सा सहायता पहुंचाने में मदद कर सके।

आपदा राहत के लिए विकसित तकनीक

डीटीयू की टीम ने ड्रोन, जमीन पर चलने वाले मानवरहित वाहनों, सेंसर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से यह तकनीक विकसित की। इसके जरिए हादसे वाली जगह पर घायलों की पहचान, उनकी स्थिति का आकलन और उनके महत्वपूर्ण शारीरिक संकेतों की निगरानी की जा सकती है। तीसरे चरण में टीम का नेतृत्व अथल कौशल ने किया।

खास बात यह है कि टीम ने प्रतियोगिता के तीनों चरणों में पुरस्कार जीते हैं। पहले चरण में सुहानी शेखर के नेतृत्व में टीम को दूसरा स्थान और 60 हजार डॉलर मिले थे। दूसरे चरण में चिराग सहगल के नेतृत्व में टीम ने दूसरा स्थान हासिल कर 1.5 लाख डॉलर का पुरस्कार जीता। तीसरे चरण की जीत के साथ टीम ने अपनी तकनीक और क्षमता का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन किया है।

टीम को मिला मार्गदर्शन और बधाई

टीम को प्रो. एस. इंदु और डॉ. छवि धीमान ने मार्गदर्शन दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रदीप शर्मा ने छात्रों और शिक्षकों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह छात्रों की प्रतिभा, नवाचार और तकनीकी क्षमता का प्रमाण है।

क्या है यह खास तकनीक?

अमेरिकी रक्षा उन्नत अनुसंधान परियोजना एजेंसी (डीएआरपीए) द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बड़ी दुर्घटनाओं या आपदाओं के समय घायलों की मदद के लिए आधुनिक तकनीक तैयार करना है। डीटीयू के छात्रों ने एक ऐसा स्मार्ट सिस्टम विकसित किया है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), एडवांस सेंसर और ड्रोन की मदद से बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के काम करता है। यह तकनीक हादसे वाली जगह पर घायलों को ढूंढने, उनकी चोट की गंभीरता को जांचने और उनकी धड़कन व सांस (वाइटल साइन्स) की निगरानी करने में सक्षम है।

कांग्रेस-आप ने अपने शासन में यमुना सफाई के लिए एसटीपी क्यों नहीं लगाए-भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कालिंदी कुंज में यमुना के पानी में झाग दिखने के मामले में भाजपा ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार किया है। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस 15 वर्ष और आम आदमी पार्टी 11 वर्ष दिल्ली की सत्ता में रही, लेकिन यमुना की सफाई के लिए ठोस कदम नहीं उठाए। दोनों दलों से उनके शासनकाल का हिसाब मांगते हुए पूछा कि सत्ता में रहते हुए यमुना की सफाई के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) क्यों नहीं लगाए गए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा सरकार एसटीपी निर्माण सहित यमुना की सफाई के लिए काम कर रही है। सोनिया विहार, वजीराबाद से आईटीओ तक सफाई के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अगले वर्ष तक कालिंदी कुंज में झाग की समस्या का समाधान होगा। साथ ही आईटीओ पर इस वर्ष छठ पूजा की व्यवस्थाओं को पिछले एक दशक में सबसे बेहतर बताया।

बिजली के तार और मीटर चोरी करने वाले गिरोह के चार बदमाश गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस ने किया 16 वारदातों का पर्दाफाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी उत्तरी जिले के स्पेशल स्टाफ ने बिजली के तार, बिजली मीटर और पानी के मीटर चोरी करने वाले चार आरोपियों के गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के मास्टरमाइंड समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान जैजे कालोनी बवाना के फरीदीन खान (22), शरीफ (20), आसिफ (20) और सनोद दिल्ली निवासी राजा मोहम्मद (24) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, राजा मोहम्मद गिरोह का मास्टरमाइंड है और कबाड़ी का काम करता है। आरोपियों की गिरफ्तारी से जिले के विभिन्न थानों में दर्ज चोरी के 16 मामलों का पर्दाफाश हुआ है।

भारती रिफाइट कार भी जब्त- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के करीब 72 किलोग्राम बिजली के तार बरामद किए हैं। ये तार तीन चोरी में भरे हुए थे। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की जाने वाली सफेद रंग की मारुति रिफाट कार भी जब्त की गई है। डीसीपी बाहरी उत्तरी जिला शौभित ही. सक्सेना के अनुसार, स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली थी कि कुछ आरोपित इलाके में बिजली के तार और मीटर चोरी की कई वारदातों में शामिल हैं। इसके बाद इंस्पेक्टर शिवेंद्र चौधरी के नेतृत्व और एसीपी आदरश देनेश कुमार की देखरेख में विशेष टीम गठित की गई। टीम में एसआइ दीपक लाटवाल, एएसआइ संदीप, हेड कांस्टेबल सजय, अनिल, रवि और अतुल की टीम ने कारंवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से तीन चोरी में रखे चोरी के बिजली के तार बरामद हुए।

आवासीय सोसाइटी और डीडीए फ्लैट थे निशाने पर- पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे बाहरी उत्तरी जिले की आवासीय सोसाइटियों और डीडीए फ्लैटों में लगे बिजली के तार, बिजली मीटर और पानी के मीटर को निशाना बनाते थे। चोरी करने के बाद सामान को ठिकाने लगा देते थे। पुलिस के अनुसार, गिरोह का मास्टरमाइंड राजा मोहम्मद कबाड़ी का काम करता था और चोरी के सामान को खपाने में उसकी भूमिका थी।

नरेला और नरेला औद्योगिक क्षेत्र के 16 मामले सुलझे-

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही और जांच में नरेला और नरेला औद्योगिक क्षेत्र थानों में दर्ज चोरी के 16 मामलों का पर्दाफाश हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो मामले के दो दोषियों को दी जमानत

- 17 साल से अधिक जेल में रहने के बाद राहत, दोषसिद्धि के खिलाफ अपील पर सुनवाई रहेगी जारी



नई दिल्ली, एजेंसी।

2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे दो दोषियों को सुप्रीम कोर्ट ने राहत प्रदान कर दी है। अदालत ने बिपिनचंद्र कनैयालाल जोशी और प्रदीप रामलाल मोढिया की उम्रकैद की सजा निलंबित करते हुए उन्हें जमानत दे दी। दोनों 17 वर्ष से अधिक समय से जेल में हैं।

जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने 28 अक्टूबर को यह आदेश दिया। अदालत ने कहा कि दोनों की अपील में तथ्य और कानून से जुड़े ऐसे पहलू हैं, जिन पर सुनवाई की आवश्यकता है। जमानत की शर्तें संबंधित ट्रायल कोर्ट तय करेगा। दोषसिद्धि के खिलाफ दोनों की अपील पर सुनवाई जारी रहेगी।

दोनों दोषियों ने मई 2017 में बॉम्बे हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उनकी दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा बरकरार रही गई थी। वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने दलील दी कि दोनों ने बिता चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक दोषी का नाम भूरुआती एफआईआर में नहीं था और उसे घटना के करीब तीन वर्ष बाद आरोपी बनाया गया था। दूसरे दोषी की गंभीर दिव्यांगता का भी उल्लेख किया गया।

2002 से अब तक घटनाक्रम

3 मार्च 2002 को गुजरात दंगों के दौरान दाहोद जिले के रंधिकपुर गांव में बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ और उनके परिवार के सात सदस्यों को हत्या कर दी गई। उस समय वह पांच महीने की गर्भवती थीं। 2004 में जिम्मी सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने मामला गुजरात से महाराष्ट्र स्थानांतरित किया। जनवरी 2008 में मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत ने 11 आरोपियों को दोषी ठहराकर उम्रकैद की सजा सुनाई। 15 अगस्त 2022 को गुजरात सरकार ने सभी 11 दोषियों को समयपूर्व रिहा कर दिया। 8 जनवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने रिहाई का फैसला रद्द करते हुए सभी को जेल लौटने का आदेश दिया। अब 28 अक्टूबर 2026 को दो दोषियों को जमानत मिली है।

बड़े आयोजनों से पहले भीड़ नियंत्रण के लिए पुख्ता तैयारी जरूरी: हाईकोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने रेलवे अधिकारियों को स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के लिए रेलवे बोर्ड की ओर से जारी मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) और स्कूलर का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने कहा कि फरवरी 2025 में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ जैसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों का प्रभावी क्रियान्वयन और अधिकारियों की जवाबदेही तय करना जरूरी है। पीठ ने कहा कि रेलवे बोर्ड ने भीड़ प्रबंधन के लिए पहले से व्यवस्था बना रखी है, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि बड़े आयोजनों से पहले और उनके दौरान इन उपायों को जमीन पर कितनी प्रभावी तरीके से लागू किया जाता है। प्रत्येक आयोजन में उठाए गए कदमों का रिकॉर्ड रखा जाना चाहिए और जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

मगदड़ में 18 लोगों की हुई थी मौत

अदालत गोविंद कुमार धुरिया व अन्य की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका 15 फरवरी 2025 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ से संबंधित थी, जिसमें 18 लोगों की मौत और 15 घायल हुए थे। याचिकाकर्ताओं ने नई दिल्ली से प्रयागराज जाने के लिए मगध एक्सप्रेस में टिकट बुक किए थे। ट्रेन रात 9:05 बजे रवाना होनी थी। उनका कहना था कि रात करीब आठ बजे स्टेशन पहुंचने के बावजूद अत्यधिक भीड़ के कारण वे ट्रेन में नहीं चढ़ सके।

याचिकाकर्ताओं में एक दिव्यांग व्यक्ति भी था। उनके अनुसार, रात करीब 10 बजे प्रयागराज के लिए विशेष ट्रेन की घोषणा के बाद प्लेटफॉर्म नंबर 16 की ओर अचानक भीड़ बढ़ी और भगदड़ मच गई। याचिका में सुआवजे, टिकट किराये की वापसी, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और भीड़ प्रबंधन की व्यापक योजना बनाने की मांग की गई थी। हालांकि, सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि वे केवल प्रभावी कार्ययोजना और एसओपी लागू कराने की मांग कर रहे हैं।

आयोजनों से पहले भीड़ प्रबंधन की तैयारी, पहले ही बनानी होगी कार्ययोजना

केंद्र सरकार ने हलफनामे में बताया कि त्योहारों, मेलों, भर्ती परीक्षाओं और खेल आयोजनों के लिए पहले से तैयारी का प्रावधान है। प्रत्येक रेलवे मंडल को कम से कम तीन सप्ताह पहले आयोजनों की पहचान कर संभावित भीड़ का आकलन करना होता है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त संयुक्त रूप से भीड़ प्रबंधन, विशेष ट्रेनों, अतिरिक्त सुरक्षा बलों, टिकट काउंटरों और टिकट जांच की योजना तैयार करते हैं।

यात्री होल्डिंग एरिया और स्टेशन सुविधाएं

76 स्टेशनों पर यात्री होल्डिंग एरिया बनेंगे

रेलवे ने 30 मई 2025 की नीति के तहत स्टेशन के बाहर होल्डिंग एरिया, प्लेटफॉर्म पर नियंत्रित प्रवेश, सीसीटीवी कैमरे, निगरानी कक्ष और संचार उपकरणों जैसी व्यवस्थाओं की जानकारी दी। अधिक यात्री दबाव वाले 76 स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाने का प्रस्ताव है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट की तरफ 11 अक्टूबर 2025 को यात्री सुविधा केंद्र शुरू किया गया, जहां करीब सात हजार यात्रियों के ठहरने की क्षमता है।



छठ पूजा के दौरान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करते मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी

बाबू घाट पर छठ व्रतियों की सेवा में जुटीं सामाजिक संस्थाएं,

जगह-जगह लगाए गए सेवा शिविर

कोलकाता: लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर कोलकाता के बाबू घाट में विभिन्न सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं की ओर से सेवा शिविर लगाए गए। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसे ध्यान में रखते हुए इन शिविरों में आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी। सायं काल अर्घ्य के दौरान और सुबह सूर्योदय के दौरान।

इस सेवा कार्य में विकास मंच, लाल बहादुर सिंह स्मृति मंच, हेला बरोअ सरपंच सभा, कोलकाता साहू समाज, बीबीडी बाग नागरिक कल्याण समिति और यूथ रपोर्टिंग क्लब सहित कई संस्थाओं के सदस्य सक्रिय रूप से जुटे रहे।

संस्थाओं के सदस्यों ने छठ व्रतियों की सुविधा और सेवा को प्राथमिकता देते हुए शिविरों के माध्यम से सहयोग प्रदान किया। बाबू घाट पर पहुंचे श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए स्वयंसेवक पूरी तत्परता से अपनी जिम्मेदारी निभाते नजर आए।

छठ महापर्व के अवसर पर सामाजिक संस्थाओं की इस पहल ने सेवा, सहयोग और सामाजिक एकजुटता की भावना को प्रदर्शित किया।



उत्तर हावड़ा नागरिक वृन्द और हावड़ा जिला मिथिला समाज के द्वारा छठ पूजा पर सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चाय, जल, बिस्कुट, चॉकलेट एवं अर्घ के लिए दूध वितरण किया गया। फोटो: अजय कुमार झा



भारत चेतना मंच के द्वारा सेवा शिविर में छठ व्रती के सेवा

कैरी रोड पर बदलेगी पार्क की तस्वीर

योग और शांति का संदेश देगा नया 'योगा पार्क'

शहर की व्यस्त सड़कों और भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच हावड़ा के लोगों को जल्द ही एक नया सार्वजनिक स्थल मिलने जा रहा है। कोना एक्सप्रेसवे (राष्ट्रीय राजमार्ग-117) के किनारे कैरी रोड के पास स्थित पुराने पार्क की तस्वीर अब पूरी तरह बदलने जा रही है। हावड़ा नगर निगम की ओर से इस पार्क का व्यापक सौंदर्यीकरण कर इसे एक आकर्षक 'योगा पार्क' के रूप में विकसित किया जा रहा है। पार्क को इस तरह सजाया जा रहा है कि यहां आने वाले लोगों को योग, स्वास्थ्य, शांति और सामाजिक सद्भाव का संदेश मिल सके। निर्माण और सौंदर्यीकरण का काम अंतिम चरण में है और जल्द ही इसे आम लोगों के लिए खोलने की तैयारी है। इस पार्क की खासियत केवल इसकी खूबसूरती नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपा संदेश भी है। यहां योगासन से जुड़ी विभिन्न आकृतियों और चित्रों को प्रदर्शित किया जा रहा है। भगवान बुद्ध की प्रतिमा को भी विशेष रूप से सजाया गया है। इसके साथ ही श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों को भी पार्क में स्थान दिया गया है। इस तरह पार्क को एक ऐसे सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां योग और स्वास्थ्य के साथ शांति एवं वैचारिक चेतना की झलक भी देखने को मिलेगी।



फोटो: अजय कुमार झा

राज्य मंत्री उमेश राय ने पार्क के विकास को लेकर बताया कि कैरी रोड के पास पहले भगवान बुद्ध की प्रतिमा के साथ एक पार्क था, लेकिन लंबे समय तक उचित रखरखाव नहीं होने के कारण उसकी स्थिति काफी खराब हो गई थी। यह इलाका मुख्यमंत्री के आवागमन के प्रमुख मार्गों में शामिल है। इसी को ध्यान में रखते हुए हावड़ा नगर निगम की ओर से पुराने पार्क के पुनर्विकास और सौंदर्यीकरण की पहल की गई है। अब इसे आधुनिक और आकर्षक योगा पार्क का स्वरूप दिया जा रहा है। उमेश राय ने कहा कि पार्क में योगासन से संबंधित अलग-अलग चित्र और आकृतियां बनाई गई हैं। भगवान बुद्ध की प्रतिमा को भी सुंदर तरीके से सजाया गया है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध शांति के प्रतीक हैं और समाज में शांति बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसी सोच के साथ पार्क को योग और शांति के संदेश से जोड़कर विकसित किया जा रहा है, ताकि यहां आने वाले लोगों को एक सकारात्मक वातावरण मिल सके। उन्होंने बताया कि पार्क का काम पूरा होते ही इसका उद्घाटन किया जाएगा। पार्टी की ओर से किसी मंत्री और अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। उद्घाटन के बाद इसे आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। गौरतलब है कि कैरी रोड और कोना एक्सप्रेसवे का इलाका यातायात की दृष्टि से काफी व्यस्त है। ऐसे में सड़क किनारे विकसित हो रहा यह पार्क स्थानीय लोगों के लिए एक उपयोगी सार्वजनिक स्थान बन सकता है। सुबह-शाम टहलने, योगाभ्यास करने और कुछ समय सुकून से बिताने के लिए लोगों को एक बेहतर विकल्प मिलेगा। अब सबकी निगाहें इसके उद्घाटन पर टिकी हैं।

जेब में नकद पैसे नहीं हैं?

डिजिटल दान की अनूठी पहल

जगद्धात्री पूजा के प्रणामी बॉक्स में लगा QR कोड

सोनी कुमारी झा, हावड़ा: जेब में नकद पैसे नहीं होने पर भी अब देवी को प्रणामी देने में कोई परेशानी नहीं होगी। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हावड़ा के जगाछा स्थित विवेकानंद संसद ने प्रणामी बॉक्स के साथ डिजिटल भुगतान की व्यवस्था भी शुरू की है। जगद्धात्री पूजा के 53वें वर्ष में समिति की इस अनूठी पहल के तहत पूजा मंडप में QR कोड लगाया गया है। इसके माध्यम से श्रद्धालु अपने मोबाइल फोन से डिजिटल भुगतान कर देवी के चरणों में अपनी श्रद्धा के अनुसार प्रणामी अर्पित कर सकते हैं।

वर्तमान समय में बाजार से खरीदारी करने, कपड़े लेने से लेकर एक कप चाय की कीमत चुकाने तक लोग डिजिटल भुगतान पर निर्भर हो रहे हैं। लोगों में नकद पैसे रखने की आदत धीरे-धीरे कम हो रही है। इसी बदलती जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए पूजा समिति ने यह पहल की है।

पूजा समिति के सदस्य कौस्तुभ दे ने बताया कि आज अधिकांश लोग डिजिटल भुगतान के अभ्यस्त हो चुके हैं। कई श्रद्धालु देवी को प्रणाम करने के बाद प्रणामी देना चाहते हैं, लेकिन जेब में नकद पैसे नहीं होने के कारण ऐसा नहीं कर पाते।



श्रद्धालुओं की इसी परेशानी को ध्यान में रखते हुए QR कोड की व्यवस्था की गई है। अब पारंपरिक प्रणामी बॉक्स के साथ-साथ डिजिटल माध्यम से भी भक्त अपनी इच्छानुसार राशि दान कर सकते हैं।

समिति की इस पहल से श्रद्धालु भी काफी खुश हैं। रघुनाथ मंडल नामक एक श्रद्धालु ने बताया कि उनके पास नकद पैसे नहीं थे, लेकिन देवी को प्रणामी देने की इच्छा थी। ऐसे में उन्होंने QR कोड के माध्यम से डिजिटल भुगतान कर अपनी श्रद्धा अर्पित की। उन्होंने पूजा समिति की इस पहल की सराहना की।

पूजा मंडप का उद्घाटन शिवपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रुद्रनील घोष ने किया। पारंपरिक पूजा आयोजन के साथ समय के अनुसार डिजिटल व्यवस्था को जोड़ने की इस पहल ने श्रद्धालुओं के बीच एक नया आकर्षण पैदा किया है।

....पेज। का शेष

छठ पूजा का उत्साह केवल रामकृष्णपुर और शिवपुर तक सीमित नहीं रहा। बाबूघाट, जगन्नाथघाट, अहिरीटोलाघाट, शारदा माँ घाट, नाजिरगंज, घुसुड़ी, बांधाघाट, नमकगोला घाट, तेलकल घाट, फूलतला और बॉटनिकल गार्डन के आसपास के गंगा घाटों पर भी श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ रही।

व्रती महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में पूजा की सामग्री के साथ नदी किनारे पहुंचीं। कई जगहों पर पूजा समितियों और स्थानीय स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं की सहायता की। भीड़ को देखते हुए पुलिस ने घाटों की ओर जाने वाले रास्तों पर निगरानी रखी और जरूरत के अनुसार यातायात नियंत्रित किया।

प्रशासन की ओर से इन घाटों पर भी रोशनी, साफ-सफाई, सुरक्षा और महिलाओं के लिए आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी। घाटों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी भी रखी गई।

छठ महापर्व की तैयारियों में राज्य सरकार के कई मंत्री और स्थानीय जनप्रतिनिधि सक्रिय दिखाई दिए। कैबिनेट मंत्री अग्निमित्रा पॉल, मंत्री उमेश राय, इंद्रनील खान, पूर्णिमा चक्रवर्ती सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की सक्रियता चर्चा में रही।

उत्तर हावड़ा के विधायक और मंत्री उमेश राय ने स्थानीय स्तर पर तैयारियों और प्रशासनिक समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह बाली के विधायक संजय सिंह, शिवपुर के विधायक रुद्रनील घोष और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ घाटों का निरीक्षण करने पहुंचे थे।

इस दौरान हावड़ा के जिलाधिकारी पी. दीपाप प्रिया, नगर निगम आयुक्त तेजस्वी राणा और नगर निगम के इंजीनियर भी मौजूद रहे। लॉन्च के माध्यम से घाटों की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण में घाटों की मरम्मत, रोशनी, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, बायो-टॉयलेट और श्रद्धालुओं की सुरक्षा जैसे विषयों पर ध्यान दिया गया।

मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने भी छठ पूजा के अवसर पर विभिन्न घाटों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जनप्रतिनिधियों की सक्रियता के साथ प्रशासनिक अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि संध्या अर्घ्य और अगले दिन सुबह के अर्घ्य के दौरान व्यवस्थाएं सुचारु रहें।

इस बार घाटों पर महिलाओं के लिए अस्थायी चेंजिंग रूम की व्यवस्था विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। छठ पूजा में व्रती महिलाएं कई घंटों तक नदी के पानी में खड़ी होकर सूर्य को अर्घ्य देती हैं। पूजा के बाद कपड़े बदलने के लिए सुरक्षित और अलग स्थान की जरूरत होती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए घाटों पर अस्थायी चेंजिंग रूम तैयार किए गए। इसके अलावा बायो-टॉयलेट और पेयजल की व्यवस्था भी की गई। घाट तक पहुंचने वाले रास्तों पर सफाई के साथ रेड कारपेट बिछाने का उद्देश्य भी श्रद्धालुओं के आवागमन को सुविधाजनक बनाना था। स्थानीय स्तर पर इन सुविधाओं को लेकर श्रद्धालुओं के बीच चर्चा रही। बड़े धार्मिक आयोजनों में महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर ऐसी व्यवस्थाएं करना महत्वपूर्ण माना जाता है। इस बार भी हावड़ा के घाटों पर यही तस्वीर दिखाई दी। प्रशासनिक तैयारियों के बीच स्थानीय पूजा समितियों, स्वयंसेवकों और आम लोगों ने भी अपनी जिम्मेदारी निभाई।

दक्षिण हावड़ा में धूमधाम से हुई मां जगद्धात्री की पूजा



हावड़ा: दक्षिण हावड़ा के बताईतल्ला फाड़ी परिसर में मां जगद्धात्री की पूजा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा उत्सव में हिस्सा लिया और मां जगद्धात्री के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

पूरे पूजा परिसर में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं की उपस्थिति से पूरा इलाका भक्तिरस में सराबोर नजर आया। लोगों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मां की आराधना की तथा सुख-समृद्धि और शांति की कामना की।

इस पूजा आयोजन में कुमारी पूजा का विशेष महत्व रहता है। कुमारी पूजा के माध्यम से देवी के बाल स्वरूप की आराधना की जाती है। इन विशेष धार्मिक आयोजनों ने पूजा उत्सव की भव्यता और आध्यात्मिक महत्व को और बढ़ा दिया। स्थानीय लोगों में पूजा को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

कथा, कहानी और कविता

बाबूजी, मैं अब कहाँ सोऊँ?

बाबूजी, मैं अब कहाँ सोऊँ? चारों तरफ तो बस पानी ही पानी है।

आठ साल के मासूम राकेश की आधी रात में निकली यह करुण पुकार सुनकर राधेश्याम का हृदय जैसे चीर गया। बेटे की मासूम आँखों में भय और असहायता थी, और पिता की आँखों में आँसू। उस क्षण राधेश्याम के पास कोई शब्द नहीं थे, कोई सांत्वना नहीं थी-सिर्फ एक टूटी हुई आवाज थी, जिसमें उन्होंने कहा, 'बेटा, बस अब सुबह होने वाली है।' पाँच संतानों के पिता राधेश्याम अपने बड़े बेटे राकेश के साथ ब्रह्मतला के अहाते में उन लाचार और गरीब लोगों के बीच रातें गुजारते थे, जिनके पास सिर छुपाने को कोई ठिकाना नहीं था। जाड़ा हो या बरसात, तपती गर्मी हो या तूफानी हवाएँ-हर मौसम में बाप-बेटे चिथड़ों में लिपटे सो जाते। उस रात राकेश की सहनशक्ति टूट गई। अधीनता में उसने पिता से सवाल किया, जो किसी मासूम बच्चे का नहीं, बल्कि जीवन से जूझते इंसान का सवाल था। मंदिर के टूटे-फूटे छत के नीचे, जहां दर्जनों बेबस लोग बारिश से बचने की कोशिश करते थे, वहीं राधेश्याम और राकेश भी अपनी रातें काटते थे।

पानी से भीगी ज़मीन, टूटे छज्जों से टपकती बूंदें, और ठंडी हवा में काँपते शरीर-इन सबके बीच राकेश की मासूम आवाज ने उस रात की नीरवता को भी निःशब्द कर दिया।

राधेश्याम मात्र आठ सौ रुपये की मामूली वेतन में परिवार चलाते थे। सुबह पौ फटने से पहले ही, बिना कुछ खाए-पिए, वे घर से निकल जाते और रात के बारह बजे से पहले लौटना उनके जीवन में दुर्लभ था। दिनभर की थकान और भूख के बावजूद, उनके चेहरे पर परिवार के लिए चिंता और जिम्मेदारी



साफ झलकती थीं।

राकेश, अपनी छोटी बहन आशा का नन्हा हाथ थामे, संध्याबाजार के बस अड्डे पर रात के दस या ग्यारह बजे तक पिता का इंतजार करता। अंधेरे और भीड़ के बीच जब वे अपने पिता को बस से उतरते देखते, तो दोनों भाई-बहन की आँखों में चमक लौट आती। उनकी मासूम खुशी, पिता की थकान को पलभर में हल्का कर देती। वे दौड़कर पिता का हाथ थाम लेते और घर की ओर चहकते हुए चल पड़ते।

समय बीतता गया और परिवार में अब छह संतानें हो गईं। राधेश्याम का बोझ और बढ़ गया। पिता के साथ-साथ माँ भी कष्ट सहती। वह उपले (गोबर के कंडे) बेचतीं, जिससे घर की रसोई किसी तरह चल पाती। यह आय छोटी थी, पर जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी थी।

राधेश्याम के पास कुछ रिक्शे और साइकिलें थीं, जिनसे होने वाली आय से घर चलाने में थोड़ी सहूलियत होती। परंतु यह सहूलियत भी संघर्ष से भरी थी। रात के वक्त जब वे काम से लौटते, तो थके शरीर को आराम देने के बजाय रिक्शों और साइकिलों की मरम्मत में जुट जाते। घर में बिजली नहीं थी, इसलिए राकेश को हाथ में लालटेन थामे खड़ा रहना पड़ता। वह अपने छोटे हाथों से पिता के श्रम को रोशनी देता, मानो अंधेरे में उम्मीद की लौ जलाए रखता हो। काम खत्म होने के पश्चात वे भोजन कर ब्रह्मतला में सोने चले जाते।

जीवन के इस अंतहीन संघर्ष के बीच राकेश की तीनों बहनों की शादी हो गई। छोटा भाई अब हाई स्कूल में पढ़ने लगा और राकेश खुद कॉलेज में दाखिल हो गया। लेकिन पढ़ाई के साथ-साथ घर का खर्च भी उसी के कंधों पर आ गया।

समय का पहिया घूमता रहा और एक दिन ऐसा आया कि पिता बूढ़े होकर घर पर बैठ गए। वह सहारा, जो हर कठिनाई में राकेश के साथ खड़ा रहता था, अब धीरे-धीरे कमजोर पड़ गया। घर की जिम्मेदारियां अब पूरी तरह राकेश पर आ गईं। एक ओर कॉलेज की पढ़ाई, दूसरी ओर परिवार का बोझ-उसके दिन और रात दोनों जद्दोजहद में डूबे रहते। फिर वह दिन भी आया जब पिता इस दुनिया को छोड़कर चले गए। घर का आँगन सूना हो गया, और राकेश के जीवन में एक ऐसी खाली जगह बन गई जिसे कोई भर नहीं सकता था। अब कठिन दौर पहले से कहीं अधिक गहरा हो गया। भाई की पढ़ाई जारी रखनी थी और एक बहन विवाह योग्य हो चुकी थी। किसी तरह राकेश ने बहन का विवाह भी संपन्न किया। लेकिन यह विवाह भी उसकी मजबूरी का परिणाम था। बहन जानती थी कि भाई की स्थिति कठिन है, इसलिए उसने जिस हाथ में भाई ने उसका हाथ थमा दिया, उसी को अपना जीवनसाथी मान लिया। उसके चेहरे पर कोई शिकायत नहीं थी, बल्कि एक संतोष था-क्योंकि वह जानती थी कि उसका भाई अपनी सामर्थ्य से अधिक कर रहा है।

'भाग्य के आगे किसी का वश नहीं चलता'- यह राकेश के जीवन ने साबित कर दिया। राकेश ने हर कठिनाई को चुपचाप सहा, हर जिम्मेदारी को निभाया। उसकी आँखों में थकान थी, लेकिन दिल में अपने परिवार के लिए अटूट प्रेम और कर्तव्य का भाव। यही उसका सबसे बड़ा बल था।

आज राकेश अपने बेटे को अपने संघर्ष के दिनों की यादें ताजा कर रहा है। वह चाहता है कि बेटा समझे-यह आशियाना केवल ईंट-पत्थरों से नहीं बना है, बल्कि उन अनगिनत आँसुओं, भूख और नींद रहित रातों से खड़ा हुआ है।

कितनी तकलीफ़ें सही होंगी पिता ने, जब खुले आसमान के नीचे मंदिर के अहाते में चिथड़ों में लिपटे सोना पड़ता था। जब बारिश की बूंदें सिर पर गिरती थीं और ठंडी हवाएँ हड्डियों तक चुभ जाती थीं। जब बेटे की मासूम आवाज अंधेरे में गूँजती थी-'बाबूजी, मैं अब कहाँ सोऊँ?' और उस रात आसमान भी जैसे चुप था, क्योंकि उसके पास भी उस मासूम के सवाल का कोई जवाब नहीं था।

राकेश चाहता है कि बेटा जाने-'हर ईंट में पिता का पसीना है, हर दीवार में उनकी मजबूरी की कहानी है। यह घर केवल आश्रय नहीं, बल्कि संघर्ष की गाथा है।' और जब पिता की आँखें बेटे की ओर उठती हैं, तो उनमें एक ही संदेश होता है- 'बेटा, यह आशियाना तुम्हारे लिए है। इसे सँभालना, क्योंकि इसमें मेरे जीवन की पूरी कहानी छिपी है।'

-उमेश तिवारी

दीपावली से जुड़े कुछ धार्मिक तथ्य

यूँ तो भारत देश त्यौहारों का धनी है, हर माह कोई न कोई उत्सव मनाया जाता है, किन्तु इन सब त्यौहारों में दीपावली सबसे विशेष होती है। यह हिन्दू धर्म का सबसे बड़ा पर्व माना जाता है, जो कार्तिक अमावस्या की अँधेरी रात को 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' (अर्थात मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चल) का उद्देश्य लेकर जगमगाते दिए और आतिशबाजियों से पूरे पृथ्वी को रोशन कर देता है। कहते हैं ,जब भगवान श्री राम चौदह वर्षों का वनवास काटकर , रावण का संहार कर पुनः सीता मैया और लक्ष्मण के साथ अयोध्या पधारे थे तो उनके आगमन की खुशी में घर-घर दिए जलाये गए और ज्योतिपर्व मनाया गया। तभी से इस शुभ दिन को हम दिवाली के रूप में मनाते हैं । इतना ही नहीं ,दिवाली से जुड़े अनेक रोचक तथ्य हैं, जो इस पर्व को इतना खास बनाते हैं। दिवाली से दो दिनों पहले तेरस को धन-तेरस का पर्व होता है , इस दिन धनवन्तरि जयंती मनाई जाती है , नए बर्तनों और धातुओं का खरीदना शुभ माना जाता है। ऐसा भी माना जाता है की इस दिन एक यमदीप जलाकर (अर्थात यमराज के नाम से दिया जलाकर) पूजा करने से अकाल मृत्यु के योग से मुक्ति मिलती है। दिवाली से एक दिन पहले चतुर्दशी मनाई जाती है, इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध किया था , इसलिए इस दिन को नरक-चतुर्दशी भी कहते हैं। इस दिन चार बत्तियों का दीप जलाकर नरक निवारण (अर्थात जीवन की सभी बुराइयों और द्वेष से मुक्ति) के लिए प्रार्थना की जाती है। इस दिन को रूप चौदस भी कहते हैं। ऐसा माना जाता है की इस दिन सुबह तेल और उबटन लगाकर स्नान करने से रूप सौन्दर्य की प्राप्ति होती है। प्रभु श्री राम की कथा के अतिरिक्त भी दिवाली का दिन अनेक पौराणिक अवसरों का साक्षी रहा है । समुद्र मंथन से लक्ष्मीजी इसी दिन निकली थी , इसी दिन नरसिंह भगवान ने हिरण्यकशिपु को मारा था , महाराज युधिष्ठिर का राजसूय यज्ञ भी इसी दिन समाप्त हुआ था। अर्थात दिवाली निसंदेह धार्मिक रूप से ,पौराणिक रूप से ,हर्षित रूप से और मंगलकारी रूप से सबसे विशेष पर्व माना जाता है।

-अनु नेवटिया
9163479944

कौन जाने किसका....

जब- जब किसी से लगाव होगा,
निश्चित है, कि नया घाव होगा...
कोई रिश्ते निभाएगा दिल से,
किसी के दिल में पेंच और दाव होगा...
अपनी भुजाएँ कर लो मजबूत,
जरूरी नहीं,तेरे हक में बहाव होगा...
अपने किरदार अच्छे से निभा लो,
सही-गलत का ऊपर ही चुनाव होगा...
कहने को तो सब साथ होंगे मगर,
सिक्कों में वजन जहाँ,वहीं झुकाव होगा...
सुनना है तो, अपने मन की सुनो बस,
कौन जाने किसका सही सुझाव होगा...!!
आपस में सुलझा लो घर के मसले,
बाहर गये तो और ज्यादा तनाव होगा।

-आरती भारती

छठि मैया (गीत)

कार्तिक मास इजोरिया खष्ठी के साझ आ भोर
छठि मैया के पूजा मे विनत भक्त कर जोर।

नदिया के तीरे तीरे,पोखरिक काते
भक्ति- भाव मय सभ साझ आ प्राते
घाटक ठाठ अनूपे, देखिक नैन विभोर।
छठि मैया के पूजा मे विनत भक्त कर जोर...

उगथिन्ह सूरज देव, अर्घक तैयारी
ठकुआ फल फूल,कंद मूल सूप मे ढेरी
शीतल जल बिच ठाढ़े,कपि देह पोरे पोर।
छठि मैया के पूजा मे विनत भक्त कर जोर...

श्रद्धा आ भक्तिक संगम ई अद्भुत
क्यो मांगे अन्न-धन,क्यो मंगे सुत
पवनेतिन -व्रतधारीक व्रत बहुत कठोर।
छठि मैया के पूजा मे विनत भक्त कर जोर...

-विजय इस्सर 'वत्स'

कार्तिक पूर्णिमा की दिव्य रात जब देवता भी मनाते हैं दीपोत्सव

दीपावली के ठीक 15 दिन बाद एक बार फिर देशभर में दीपों का उत्सव मनाया जाता है, जिसे देव दीपावली कहा जाता है। कार्तिक महीने की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व धार्मिक आस्था, पौराणिक मान्यताओं और भारतीय संस्कृति का अद्भुत संगम है। मान्यता है कि इस दिन देवता स्वयं धरती पर उतरकर पवित्र नदियों में स्नान करते हैं और दीप जलाकर उत्सव मनाते हैं। यही कारण है कि इसे देवताओं की दीपावली कहा जाता है।

देव दीपावली का सबसे भव्य आयोजन गंगा नदी के किनारे होता है। इस दिन काशी के दशाश्वमेध घाट, अस्सी घाट, राजघाट और अन्य घाटों पर लाखों दीप जलाए जाते हैं। दीपों की रोशनी से गंगा के तट जगमगा उठते हैं और पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है। देव दीपावली मनाने के पीछे एक प्रमुख पौराणिक कथा भगवान शिव से जुड़ी है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, प्राचीन काल में त्रिपुरासुर नामक असुर ने अपनी शक्तियों से तीन नगरों पर अधिकार कर लिया था। इन तीनों नगरों को त्रिपुर कहा जाता था त्रिपुरासुर के अत्याचारों से देवता और ऋषि-मुनि परेशान हो गए थे। उन्होंने भगवान शिव से रक्षा की प्रार्थना की। देवताओं की प्रार्थना सुनकर भगवान शिव ने कार्तिक पूर्णिमा के दिन त्रिपुरासुर का वध किया और तीनों लोकों को उसके आ तं क से मुक्त कराया। इस विजय के बाद देवताओं ने भगवान शिव की नगरी काशी में दीप जलाकर उत्सव मनाया। इसी विजय और उत्सव की स्मृति में कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली मनाने की परंपरा जुड़ी मानी जाती है। भगवान शिव को इसी कारण त्रिपुरारी भी कहा जाता है।

हिंदू धर्म में कार्तिक महीने को अत्यंत पवित्र माना गया है। पूरे महीने श्रद्धालु पूजा-पाठ, स्नान, दान और दीपदान करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा इस महीने का अंतिम और विशेष महत्व वाला दिन है। इस दिन गंगा सहित पवित्र नदियों में स्नान करने और दीपदान करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र नदी में स्नान और दीपदान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। लोग अपने परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और मंगलकामना के लिए दीप जलाते हैं। मंदिरों और घरों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। देव दीपावली पर दीप जलाना केवल परंपरा नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक माना जाता है। श्रद्धालु गंगा किनारे, मंदिरों, घरों और जलाशयों के पास दीप जलाते हैं। इस दिन जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र और अन्य वस्तुओं का दान करने की भी परंपरा है।

देव दीपावली हमें भगवान शिव की विजय, धर्म की स्थापना और प्रकाश के महत्व का संदेश देती है। यह पर्व भारतीय संस्कृति की उस परंपरा को जीवित रखता है, जिसमें प्रकृति, नदियों और आध्यात्मिक आस्था को विशेष स्थान दिया गया है।

इस प्रकार, कार्तिक पूर्णिमा पर मनाई जाने वाली देव दीपावली केवल दीपों का त्योहार नहीं, बल्कि श्रद्धा, विश्वास, भक्ति और विजय का उत्सव है। काशी के घाटों पर जगमगाते लाखों दीप इस संदेश को जीवंत कर देते हैं कि जहां आस्था और प्रकाश का संगम होता है, वहां अंधकार का कोई स्थान नहीं रहता।

-डॉ संजय कुमार, बिहार

दीपावली के रंग में रंगा आलमबाजार श्याम मंदिर



पुष्पा साव, कोलकाता: दीपावली के शुभ अवसर पर कोलकाता के आलमबाजार स्थित श्री श्याम मंदिर में उत्सव की अनूठी छटा देखने को मिली। मंदिर को रंग-बिरंगी रोशनी, आकर्षक विद्युत सज्जा और सैकड़ों दीपों से सजाया गया, जिससे पूरा मंदिर परिसर रोशनी से नहा उठा।

त्योहार के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा श्याम के दर्शन करने पहुंचे। भक्तों ने मंदिर में दीप जलाकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। मंदिर में सजी आकर्षक झांकियों और बाबा श्याम के भव्य श्रृंगार ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। चारों ओर गूंजते जयकारों और दीपों की चमक ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रंग में सराबोर कर दिया।

इस अवसर पर मंदिर के सचिव गोविंद मुरारी अग्रवाल ने सभी श्रद्धालुओं को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बाबा श्याम से प्रार्थना की कि हर परिवार के जीवन में खुशियां, शांति और समृद्धि बनी रहे।

दीपावली के इस विशेष आयोजन ने एक बार फिर आस्था और सामाजिक एकता का सुंदर संदेश दिया। श्रद्धालुओं की भागीदारी और मंदिर की मनमोहक सजावट के बीच आलमबाजार का श्री श्याम मंदिर दीपोत्सव के उल्लास से सराबोर नजर आया।

रोलर स्केटिंग स्टेट चैंपियनशिप में हावड़ा की शानवी दुबे ने मारी बाजी



पश्चिम बंगाल रोलर स्केटिंग स्टेट चैंपियनशिप 2026 में हावड़ा की प्रतिभाशाली खिलाड़ी शानवी दुबे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। उनकी इस उपलब्धि से हावड़ा का नाम गौरवान्वित हुआ है।

इको पार्क में 29 अक्टूबर से 1 नवंबर तक आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पश्चिम बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों से खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में हावड़ा की शानवी दुबे ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया और चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

प्रतियोगिता के समापन पर विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर पंचायत मंत्री दिलीप घोष ने शानवी दुबे को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वहीं नेशनल चैंपियनशिप खेलने के लिए बेंगलुरु में 5 से 7 दिसंबर को सिलेक्शन किया गया है वहां पर यह अपने खेल का प्रदर्शन करेगी।

शानवी की इस सफलता से उनके परिवार और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। उनकी उपलब्धि को हावड़ा के खेल जगत के लिए गौरवपूर्ण बताया जा रहा है।

हावड़ा में ₹2.5 करोड़ की लागत से 9 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का शुभारंभ



हावड़ा नगर निगम की पहल पर करीब 2.5 करोड़ रुपये की लागत से 9 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का शुभारंभ किया गया। इस पहल के माध्यम से शहर के आम नागरिकों तक बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया गया है।

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को उनके आसपास ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और जनस्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना है। इन आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से नागरिकों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा।

हावड़ा नगर निगम की इस पहल को शहर में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और आम लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

बिप्लब देव के नेतृत्व 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा



हावड़ा: 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के नारे को लेकर भाजपा की ओर से शिवपुर के काजीपाड़ा से हावड़ा मैदान तक पदयात्रा निकाली गई। हावड़ा और हुगली जिले के भाजपा संगठनों की ओर से आयोजित इस पदयात्रा का नेतृत्व भाजपा के केंद्रीय नेता तथा त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देव ने किया। पदयात्रा में शामिल भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के हाथों में पार्टी के झंडे और विभिन्न नारों से लिखे पोस्टर नजर आए। पदयात्रा के बाद सभा को संबोधित करते हुए बिप्लब देव ने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर देश में अराजकता का माहौल पैदा करने का आरोप लगाया। एसआईआर के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग एसआईआर के बारे में अच्छी तरह जानते हैं। उन्हें इसके बारे में अलग से समझाने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल एसआईआर को लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इससे उन्हें कोई फायदा नहीं होगा।

इसके साथ ही बिप्लब देव ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की वापसी हो चुकी है। किस पदयात्रा में काफी सारे बीजेपी समर्थक थे वही तिरंगा झंडा के साथ भाजपा का भी झंडा पदयात्रा में देखने को मिला।

'देवी दुर्गा सम्मान 2026' 12 पूजा समितियां सम्मानित



अजय कुमार झा: दुर्गापूजा की रचनात्मकता, परंपरा और सामाजिक जिम्मेदारी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए हावड़ा की 12 पूजा समितियों को 'देवी दुर्गा सम्मान 2026' से सम्मानित किया गया।हावड़ा न्यू कलेक्ट्रेट स्थित 'पथेर दाबी' सभागार में जिला सूचना एवं संस्कृति विभाग की पहल और जिला प्रशासन के सहयोग से पुरस्कार वितरण समारोह एवं विजया सम्मिलनी का आयोजन किया गया। इस दौरान श्रेष्ठ पूजा, श्रेष्ठ प्रतिमा, श्रेष्ठ मंडप और श्रेष्ठ सामाजिक जागरूकता, इन चार श्रेणियों में तीन-तीन पूजा समितियों का चयन किया गया। प्रत्येक विजेता पूजा समिति को 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। कोलकाता सहित राज्य के सभी 23 जिलों की दुर्गापूजा समितियों को सम्मानित करने की पहल के तहत यह आयोजन किया गया।

इन पूजा समितियों को

मिला सम्मान

- **श्रेष्ठ पूजा श्रेणी:** सालकिया साधारण दुर्गापूजा (जटाधारी पार्क), चंद्रवती शिल्पकल्पी साधारण दुर्गोत्सव समिति और सालकिया छात्र एवं व्यायाम समिति।
- **श्रेष्ठ प्रतिमा श्रेणी:** मध्य सांतारागाछी की न्यू भूमि आमी संघ, हरिनारायणपुर नवपंच शक्ति क्लब और बाली देशबंधु क्लब दुर्गापूजा समिति।
- **श्रेष्ठ मंडप श्रेणी:** कामारडांगा शीतलातला बारोबारी, बेंटरा सार्वजनिक दुर्गोत्सव (सुबोल स्मृति संघ) और अरविंद नगर अरविंद संघ।
- **श्रेष्ठ सामाजिक जागरूकता श्रेणी:** श्यामपुर सिद्धेश्वरी महाविद्यालय कॉलेज मैदान दुर्गापूजा समिति, धूमकेतु संघ और अरविंद रोड पल्लिबासी वृंद।

इस प्रकार चारों श्रेणियों में कुल 12 पूजा समितियों को 'देवी दुर्गा सम्मान 2026' के लिए चुना गया।

श्री जैन विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी 100 विद्यार्थियों ने दिखाए हुनर



संजय कुमार सिंह: श्री जैन विद्यालय हावड़ा (बालक विभाग) में विज्ञान प्रदर्शनी महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के 100 विद्यार्थियों ने हिस्सा लेकर विज्ञान, तकनीक और नवाचार पर आधारित आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए।

प्रदर्शनी का उद्घाटन पश्चिम बंगाल उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष डॉ. असित कुमार मंडल, हावड़ा जिला के डीआई विमल गायेन और हावड़ा जिला डीपीएससी के चेयरमैन डॉ. असित बेरा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। अतिथियों ने विभिन्न मॉडलों का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों से उनकी कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता के बारे में जानकारी ली।

विद्यार्थियों ने स्मार्ट सिटी, एआई रोबोट, सौर ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, हाइड्रोलिक लिफ्ट, स्मार्ट ग्लास, लेजर सिक्योरिटी सिस्टम, मानव हृदय और जल संरक्षण सहित कई विषयों पर मॉडल प्रस्तुत किए। अतिथियों ने बच्चों की वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और प्रतिभा की सराहना की। विद्यालय के सचिव ललित कांकरिया ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को निखरने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रिंसिपल इंदु जोसफ चौधरी सहित विद्यालय के पदाधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक संतोष कुमार तिवारी ने किया।

70 लाख के आभूषण लूटकांड में बड़ी कामयाबी, सात गिरफ्तार



हावड़ा के सांकराइल में एक आभूषण की दुकान से 70 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहनों की लूट के मामले में हावड़ा सिटी पुलिस की डिटेक्टिव डिपार्टमेंट (डीडी) को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस की जांच टीम ने बिहार की राजधानी पटना में छापेमारी कर इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 429 ग्राम सोना और 4.2 किलोग्राम चांदी बरामद की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पिछले 4 नवंबर को सांकराइल स्थित एक आभूषण की दुकान में घुसकर बदमाशों ने भारी मात्रा में सोने और चांदी के गहने लूट लिए थे और मौके से फरार हो गए थे। शुरुआत में इस वारदात में तीन लोगों के शामिल होने का संदेह सामने आया था, लेकिन जांच आगे बढ़ने पर सात सदस्यों वाले एक गिरोह का पता चला। शारीरिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने बिहार के पटना में छापेमारी कर सभी सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में तीन हावड़ा, दो उत्तर 24 परगना और दो बिहार के निवासी हैं।

डीसी डीडी राहुल मिश्रा ने बताया कि इस लूटकांड में शामिल सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही लूटे गए सभी आभूषण भी बरामद कर लिए गए हैं। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बरामद आभूषणों को उनके वास्तविक मालिक को सौंपने की व्यवस्था की जाएगी।

हावड़ा में 42 दुर्लभ प्रजाति के कछुए बरामद, एक गिरफ्तार

ट्रैफिक पुलिस की तत्परता से हावड़ा में 42 दुर्लभ प्रजाति के कछुओं को बरामद किया गया है। ये कछुए हावड़ा दूरगामी बस स्टैंड के पास स्थित टैक्सी स्टैंड से बरामद किए गए। इस मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, रविवार को हावड़ा स्टेशन ट्रैफिक गार्ड के पुलिसकर्मी इलाके में छूटी कर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर दो लोगों पर पड़ी, जो थर्मोकोल के बक्से एक टैक्सी में रख रहे थे। पुलिसकर्मियों को उनकी गतिविधियों पर संदेह हुआ। इसके बाद जब बक्सों को खोलकर जांच की गई तो उनमें कछुए मिले। पुलिस को देखते ही एक आरोपी मौके से फरार हो गया, जबकि दूसरे को पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि इन कछुओं को उत्तर प्रदेश से दून एक्सप्रेस के जरिए हावड़ा लाया गया था।

हावड़ा ट्रैफिक गार्ड की ओर से बरामद सभी 42 कछुओं और गिरफ्तार आरोपी को गोलाबाड़ी थाने की पुलिस के हवाले कर दिया गया है। कछुओं को आगे वन विभाग को सौंपा जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा फरार आरोपी की तलाश जारी है।

प्रसून बनर्जी के लापता होने के पोस्टर से सियासी हलचल

हावड़ा शहर के विभिन्न इलाकों में कई बार के सांसद प्रसून बनर्जी को लेकर लगाए गए पोस्टर इन दिनों चर्चा का विषय बने हुए हैं। समाजवादी पार्टी की ओर से लगाए गए इन पोस्टरों में सांसद को लापता बताते हुए उनकी तलाश करने की अपील की गई है। पोस्टरों में लिखा है, 'ओ प्रसून बाबू, आप तो बहुत मस्ती में हैं, लेकिन हम तो सुकून में नहीं हैं। आपको कहां पाया जा सकता है, बताएंगे? काफी दिनों से आपको ढूंढ रहे हैं।' वहीं, दूसरे पोस्टर में बड़े-बड़े अक्षरों में 'लापता, लापता, लापता' लिखकर लोगों से अपील की गई है कि यदि कोई सांसद प्रसून बनर्जी को कहीं देखे तो इसकी सूचना समाजवादी पार्टी को दे। पोस्टर में लिखा है कि हम उन्हें तलाश कर रहे हैं और वास्तव में खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी की ओर से हावड़ा कोर्ट पटिसर, सीपी बंगला, बंकिम सेतु सहित शहर के कई प्रमुख स्थानों पर ये पोस्टर लगाए गए हैं। इस संबंध में समाजवादी पार्टी के नेता पंकज कुमार मिश्रा ने बताया कि वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद से हावड़ा के चार बार के सांसद प्रसून बनर्जी को जनता ढूंढ रही है।

आम लोगों को अपने काम के सिलसिले में सांसद से मुलाकात करने में परेशानी हो रही है। उनका आरोप है कि फोन पर संपर्क करने की कोशिश करने के बावजूद सांसद से बात नहीं हो पा रही है। इसी वजह से पार्टी ने शहर के विभिन्न इलाकों में पोस्टर लगाकर आम लोगों से सांसद के बारे में जानकारी मांगी है। यदि कोई उन्हें कहीं देखता है तो पार्टी को इसकी सूचना दे सकता है।

वहीं, स्थानीय निवासी सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि पोस्टरों को लेकर वह कुछ विशेष नहीं कहना चाहते, लेकिन उनका मानना है कि हावड़ा के सांसद को पिछले कई वर्षों में हावड़ा में नहीं देखा गया है।

अत्याधुनिक तकनीक से लैस सुरक्षा वाहन बना ढाल सात लोगों की बची जान, तीन पुलिसकर्मी भी सुरक्षित



हावड़ा: हावड़ा के जयपुर में 116 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बड़ा हादसा टल गया। अत्याधुनिक तकनीक से लैस एक विशेष सुरक्षा वाहन की सतर्कता के कारण सात लोगों की जान बच गई। इनमें तीन पुलिसकर्मी भी शामिल थे।

जानकारी के अनुसार, घटना शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे की है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर रखरखाव का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक तेज रफ्तार से आ रहा एक डंपर अनियंत्रित होकर काम कर रहे कर्मचारियों की ओर बढ़ने लगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वहां तैनात विशेष तकनीक से लैस सुरक्षा वाहन डंपर के सामने ढाल बनकर खड़ा हो गया। इसके कारण डंपर की सीधी टक्कर से वहां मौजूद सात लोग बाल-बाल बच गए।

बताया गया है कि एक निजी कंपनी को राष्ट्रीय राजमार्ग के रखरखाव का काम सौंपा गया है। काम के दौरान कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कंपनी की ओर से इस विशेष तकनीक वाले वाहन का इस्तेमाल किया जाता है। घटना के समय राष्ट्रीय राजमार्ग के डानकुनी लेन के पास काम चल रहा था।

कंपनी की ओर से बताया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर काम के दौरान किसी भी समय दुर्घटना हो सकती है। इसी आशंका को देखते हुए कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए इस विशेष वाहन का इस्तेमाल किया जाता है। कंपनी का दावा है कि यदि घटनास्थल पर यह वाहन मौजूद नहीं होता, तो सात लोगों की जान जा सकती थी। कंपनी ने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल में इस तरह के वाहन का इस्तेमाल करने वाली वह पहली कंपनी है। इस घटना ने एक बार फिर राष्ट्रीय राजमार्गों पर रखरखाव का काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा के महत्व को उजागर किया है। अत्याधुनिक सुरक्षा वाहन की तत्परता से सात लोगों की जान बचने के बाद संबंधित लोगों ने राहत की सांस ली।

ध्वनि प्रदूषण और पटाखों के धमाके में कोलकाता से भी आगे निकला हावड़ा

ध्वनि प्रदूषण और पटाखों के शोर के मामले में इस बार हावड़ा ने कोलकाता को भी पीछे छोड़ दिया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, कालीपूजा की रात घुसुड़ी में वायु प्रदूषण सूचकांक (AQI) 500, बेलूड़ मठ में 453 और पद्मपुकुर में 439 दर्ज किया गया। वहीं, ध्वनि प्रदूषण और प्रतिबंधित पटाखों को लेकर हावड़ा सिटी पुलिस के विभिन्न थानों में 60 से अधिक शिकायतें दर्ज कराई गईं। इनमें सबसे अधिक शिकायतें रामराजातला, चटर्जीहाट, बेलुड़, सलकिया और लिलुआ से मिलीं। ग्रीन मंच को भी हावड़ा से तीन शिकायतें प्राप्त हुईं। दूसरी ओर, हावड़ा सिटी पुलिस के अनुसार, कालीपूजा की रात विभिन्न घटनाओं में 138 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 200 किलो से अधिक अवैध पटाखे जब्त किए गए। पिछले कुछ दिनों में जब्त किए गए पटाखों की कुल मात्रा लगभग 1700 किलो तक पहुंच गई है।


SAY GOODBYE TO
PILES FISSURE
FISTULA
with Advanced
LASER TREATMENT
ANANYA OPD-
SSKM Hospital (IPGMER)
Kolkata, West Bengal
Thursday 5pm / Saturday 3pm
Call - 033-22041931/ 9073000101
HOWRAH CHAMBER-
LAPCURE HEALTH CARE:
302, G T ROAD, NEAR DINOBONDHU COLLEGE SHIBPUR, HOWRAH, WEST BENGAL 711102
Call - 9874880258/ 9330939689
Dr. Seraj Ahmed
Expert Surgical Care You Can Trust


The election Pro
HOWRAH MUNICIPAL CORPORATION
KOLKATA MUNICIPAL CORPORATION
WIN YOUR WARD.
LEAD WITH CONFIDENCE.
LOCAL ELECTION CAMPAIGN SOLUTIONS | HOWRAH & KOLKATA
Ward-Level Campaign Strategy
Booth & Voter Management
Door-to-Door Outreach Planning
Volunteer & Ground Team Coordination
Social Media Campaigns
Creative Design & Video Editing
Local PR & News Promotion
Voter Data Analysis & Reporting
WhatsApp Outreach & Bulk Calling
Candidate Profile & Manifesto Design
Campaign War Room & Daily Monitoring
PLAN YOUR WARD CAMPAIGN TODAY
WhatsApp: 7003290832
Call: 9804320503
theelectionpro.com

स्वत्वाधिकारी 'बात हिन्दुस्तान की' (पाक्षिक) पेपर के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी, गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन नं.: 8902221434 से प्रकाशित एवं एल.एस पब्लिकेशन्स प्रा. लि.4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता -700015 से मुदित, सम्पादक- वैद्यनाथ झा, फोन-9798848926 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट - www.baathindustanki@gmail.com
(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan ki' Smt. Soni Kumari Jha, 223, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO_R.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from L.S. publication private limited.4 no, canel west road, Kolkata 700015, Editor: Baidyanath Jha Mo. 9798848926, Email/Website: www.baathindustanki@gmail.com